स्वदेशी लड़ाकू हेलिकॉप्टर 'प्रचंड'

कितने लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का अधिग्रहण करेगा भारत

कितने हेलीकॉप्टरों की जरूरत (अनुमानित)	160
वायुसेना के लिए	65
थल सेना के लिए	95

एचएएल की सालान निर्माण क्षमता	अभी डिलीवर होंगे
30 हेलीकॉप्टर	15
बाकी 145 की डिलीवरी	8 वर्षों में

अ अमरउजाला
amarujala.com

भारत को मिला 'प्रचंड'
अब दुश्मनों की खैर नहीं

WHAT IS PRACHANDA?

WHAT:

Prachanda is a Light Combat Helicopter (LCH), designed and developed by Hindustan Aeronautics Limited (HAL)

WHEN:

A fleet of four helicopters was inducted into IAF's newly raised No. 143 Helicopter Unit on 3 October, 2022

Eventually 65 Prachanda helicopters will be inducted into the IAF and 97 into the army

Prachanda is India's first indigenous Multi-Role Combat Helicopter

Light Combat Helicopter

The Indian Air Force (IAF) has inducted the first batch of the indigenous Light Combat Helicopters (LCH)

Prachand

- The Indian Air Force inducted the first batch of made-in-India light combat helicopters, which would be called 'Prachand’.
- भारतीय वायु सेना ने भारत में बने हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के पहले बैच को शामिल किया, जिसे 'प्रचंड' कहा जाएगा।
- This helicopter has been inducted at the airbase located in Jodhpur.
- इस हेलीकॉप्टर को जोधपुर स्थित एयरबेस पर शामिल किया गया है।

Rajnath singh

Gen Anil Chauhan

Chief marshal Vivek Ram Chaudhary

Why need indigenous LCH?

It was during the 1999 Kargil war that the need was first felt for a homegrown lightweight assault helicopter that could hold precision strikes in all Indian battlefield scenarios.

1999 के कारगिल युद्ध के दौरान पहली बार एक घरेलू हल्के असॉल्ट हेलीकॉप्टर की आवश्यकता महसूस की गई थी जो सभी भारतीय युद्धक्षेत्र परिदृश्यों में सटीक हमले कर सके।

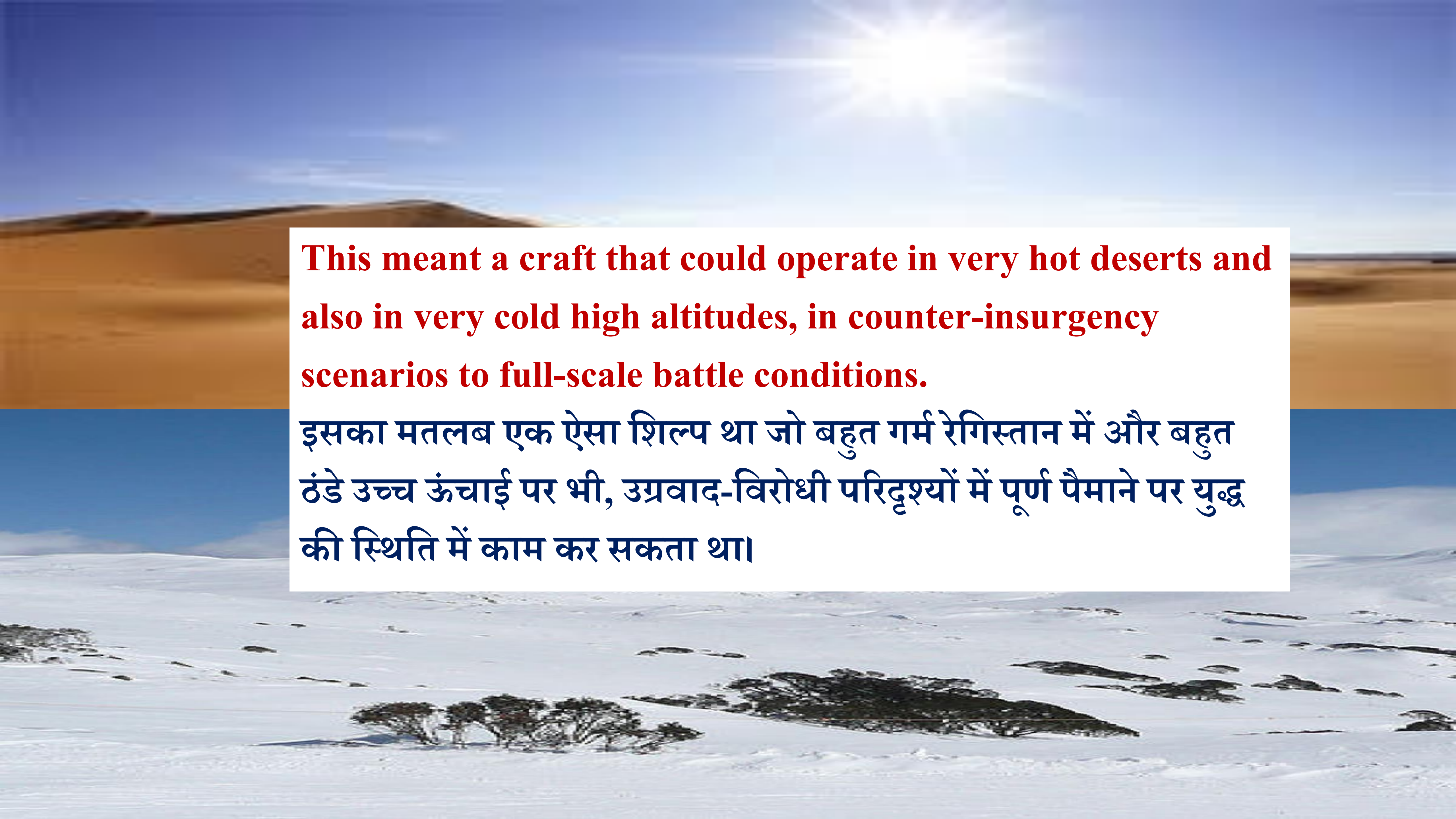

This meant a craft that could operate in very hot deserts and also in very cold high altitudes, in counter-insurgency scenarios to full-scale battle conditions.

इसका मतलब एक ऐसा शिल्प था जो बहुत गर्म रेगिस्तान में और बहुत ठंडे उच्च ऊंचाई पर भी, उग्रवाद-विरोधी परिदृश्यों में पूर्ण पैमाने पर युद्ध की स्थिति में काम कर सकता था।

Chinook helicopter

15 Boeing made Chinook helicopter

22 AH-64 Apache helicopter

Apache helicopter

कारगिल जंग से महसूस हुई
देश में लड़ाकू हेलिकॉप्टर्स बनाने की जरूरत

1999 में कारगिल युद्ध के दौरान देश में बने हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर्स की सबसे ज्यादा जरूरत महसूस की गई थी।

उस वक्त दुश्मन यानी पाकिस्तानी सेना और आतंकी भारतीय सेना से ज्यादा ऊंचाई पर मौजूद थे।

भारत के पास तब रूस निर्मित Mi-35 हेलिकॉप्टर्स थे, जो कारगिल की ऊंची चोटियों तक पहुंचने में नाकाम रहे थे।

भारतीय सेना को ऊंचाई तक हथियार पहुंचाने में दिक्कत हुई। इससे न केवल युद्ध लंबा खिंचा बल्कि हमारे कई सैनिकों को जान गंवानी पड़ी।

ALH ध्रुव से मिली सीख से बना LCH प्रचंड

LCH प्रचंड बनाने में देश में बने एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर यानी **ALH ध्रुव** ने अहम भूमिका निभाई है।

ध्रुव एक यूटिलिटी हेलिकॉप्टर है, जो 2002 में सेना में शामिल हुआ था। ध्रुव के अटैक वर्जन ALH रुद्र हेलिकॉप्टर्स 2013 में सेना में शामिल हुए थे।

ALH ध्रुव की डिजाइन की कमियों से सीख लेकर ही LCH प्रचंड को डेवलप किया गया है।

जब ALH ध्रुव को डिजाइन किया गया था, तो इसे दुनिया में इस कैटेगरी का सबसे बेहतरीन हेलिकॉप्टर माना गया था।

अब ALH ध्रुव ने ही LCH प्रचंड को तैयार करने में नींव का काम किया।

During 2006, the HAL announced that it had launched a development programme to produce such a rotorcraft, referred to simply as the LCH or Light Combat Helicopter.

2006 के दौरान, HAL ने घोषणा की कि उसने ऐसे रोटरक्राफ्ट का उत्पादन करने के लिए एक विकास कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे केवल एलसीएच या लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर के रूप में संदर्भित किया जाता है।

On 29 March 2010, the first LCH prototype performed its maiden flight. An extensive test programme, involving a total of four prototypes, was conducted.

29 मार्च 2010 को, पहले एलसीएच प्रोटोटाइप ने अपनी पहली उड़ान भरी। एक व्यापक परीक्षण कार्यक्रम, जिसमें कुल चार प्रोटोटाइप शामिल थे, आयोजित किया गया था।

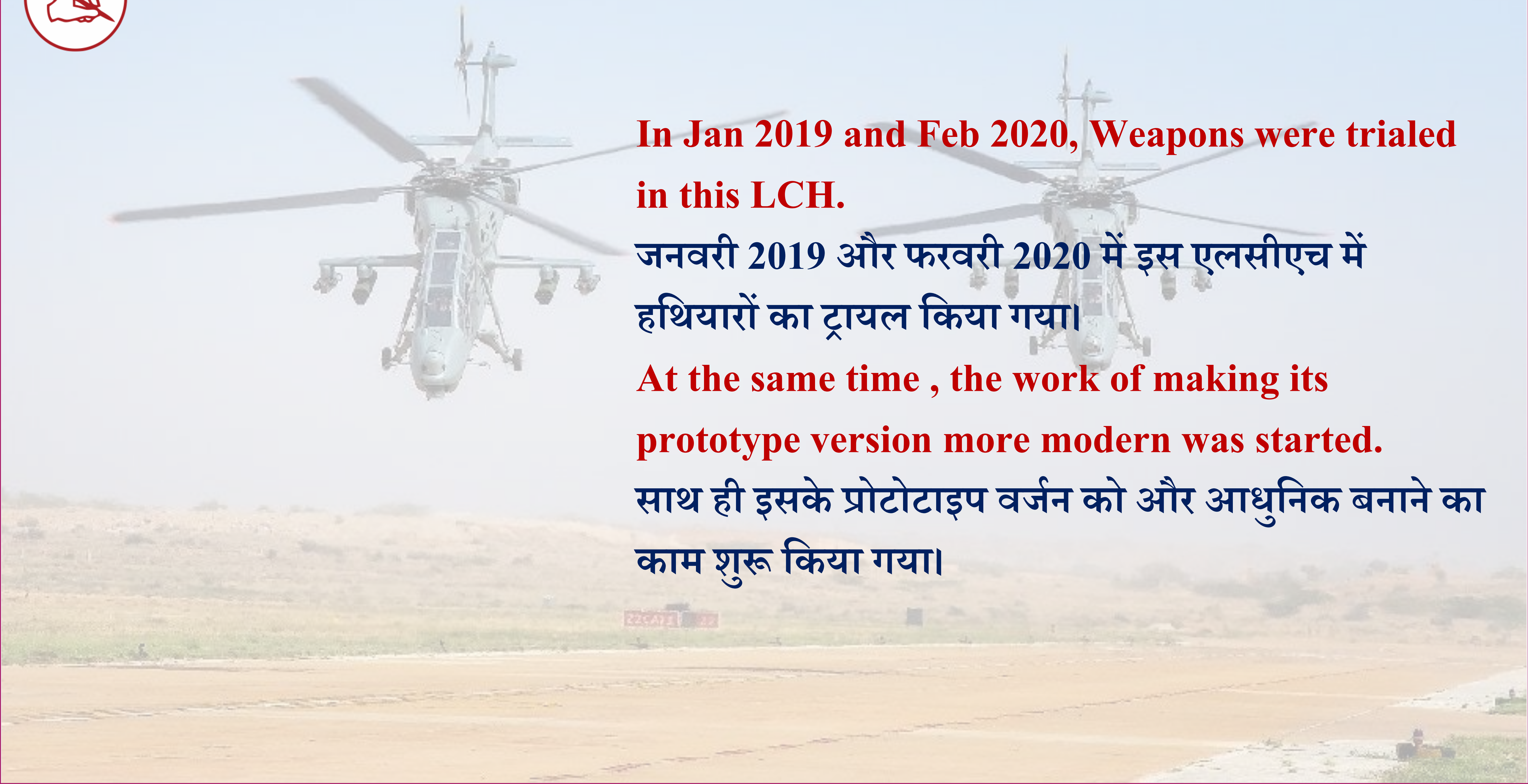

In Jan 2019 and Feb 2020, Weapons were trialed in this LCH.

जनवरी 2019 और फरवरी 2020 में इस एलसीएच में हथियारों का ट्रायल किया गया।

At the same time , the work of making its prototype version more modern was started.

साथ ही इसके प्रोटोटाइप वर्जन को और आधुनिक बनाने का काम शुरू किया गया।

CCS Approves Procurement of 15 Light Combat Helicopters (LCH) Limited Series Production (LSP) from HAL for IAF (10) & IA(05)

Posted On: 30 MAR 2022 5:30PM by PIB Delhi

The Cabinet Committee on Security (CCS) met under the Chairmanship of Prime Minister Shri Narendra Modi on 30 March 2022 in New Delhi. The CCS has approved procurement of 15 Light Combat Helicopter (LCH) Limited Series Production at the cost of Rs. 3,887 Cr along with Infrastructure sanctions worth Rs. 377 Cr.

Helicopters
Indian Air Force inducts LCH and christens it 'Prachanda'

Length = 51.10 feet tall

Height = 15.5 feet

Weight = 5800 Kg

Max Speed = 268 km / h

Range = 550 km

Maximum height = 6500 m / 16.4k feet

Climb rate = 2400 ft/ min

इलेक्ट्रो ऑप्टिकल (EO): *टारगेट को दूर से देख सकते हैं, सेंसर, कैमरे पायलट को लाइव इंफॉर्मेशन उपलब्ध कराते हैं*

मिसाइल वॉर्निंग सिस्टम (DIRCM): *दुश्मन की मिसाइल से अलर्ट करता है*

स्टब विंग *में लगे हथियार*

20mm M621 गन: *1 मिनट में 750 गोलियां दाग सकते हैं*

ing-today-court-order...

मिसाइल

एयर-टु-एयर मिसाइल-MISTRAL	**70mm रॉकेट सिस्टम**
या	*या*
एयर-टु-ग्राउंड मिसाइल	**क्लस्टर बम/ अनगाइडेड बम /ग्रेनेड लॉन्चर**
या	
एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल ध्रुवास्त्र	
या	
एंटी रेडिएशन मिसाइल	

इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (EW) सूइट

चैफ एंड फ्लेयर डिस्पेंसर: *फ्लेयर डिस्पेंसर मिसाइलों और चैफ डिस्पेंसर रडार गाइडेड मिसाइलों को नष्ट कर सकता है*

Rockets, Missiles or Bombs can be **fitted in its 4 hardpoints.**

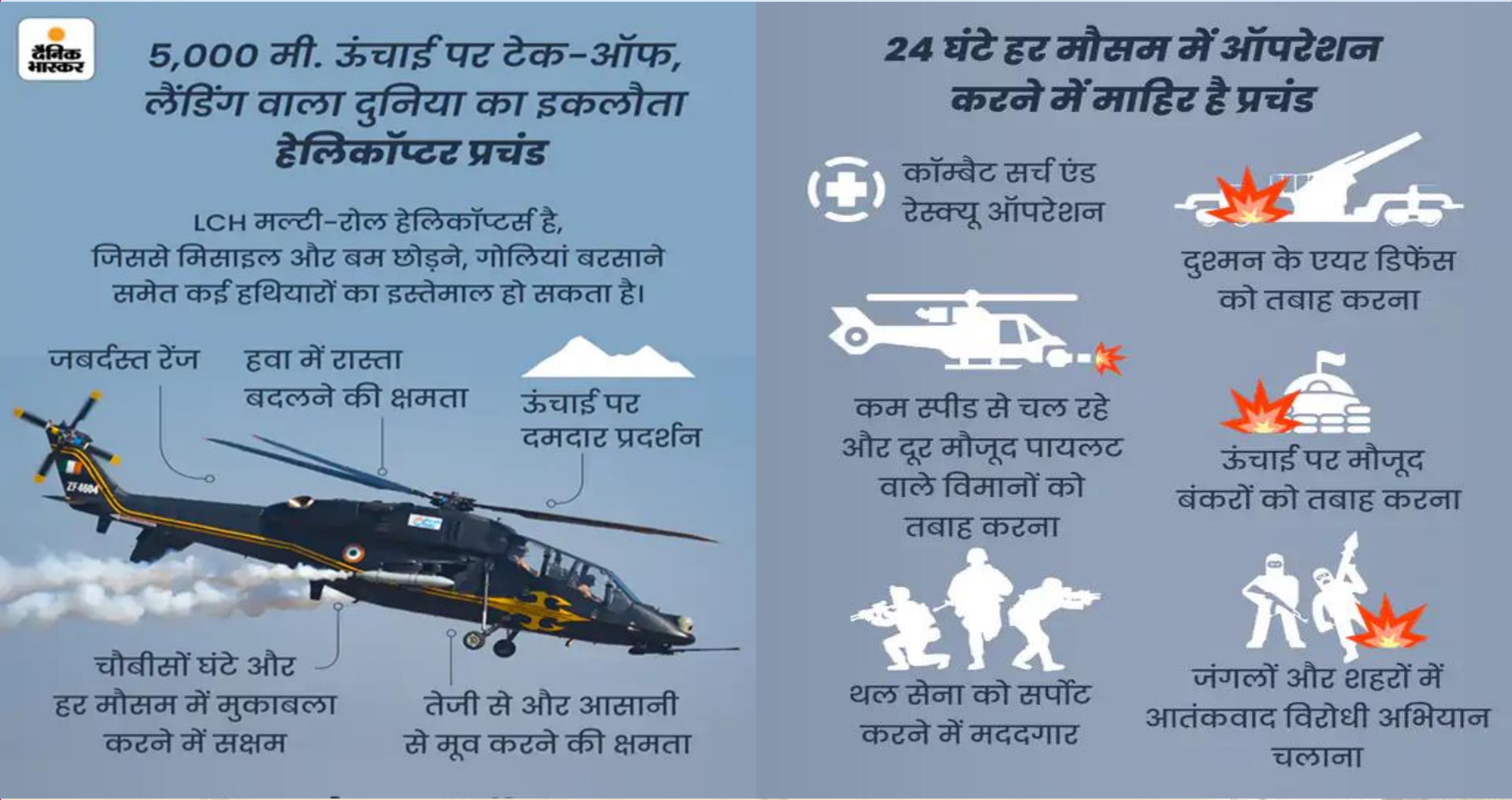

दैनिक भास्कर
5,000 मी. ऊंचाई पर टेक-ऑफ, लैंडिंग वाला दुनिया का इकलौता हेलिकॉप्टर प्रचंड
LCH मल्टी-रोल हेलिकॉप्टर्स है, जिससे मिसाइल और बम छोड़ने, गोलियां बरसाने समेत कई हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है।
जबर्दस्त रेंज
हवा में रास्ता बदलने की क्षमता
ऊंचाई पर दमदार प्रदर्शन
चौबीसों घंटे और हर मौसम में मुकाबला करने में सक्षम
तेजी से और आसानी से मूव करने की क्षमता
24 घंटे हर मौसम में ऑपरेशन करने में माहिर है प्रचंड
कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन
दुश्मन के एयर डिफेंस को तबाह करना
कम स्पीड से चल रहे और दूर मौजूद पायलट वाले विमानों को तबाह करना
ऊंचाई पर मौजूद बंकरों को तबाह करना
थल सेना को सपोर्ट करने में मददगार
जंगलों और शहरों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना

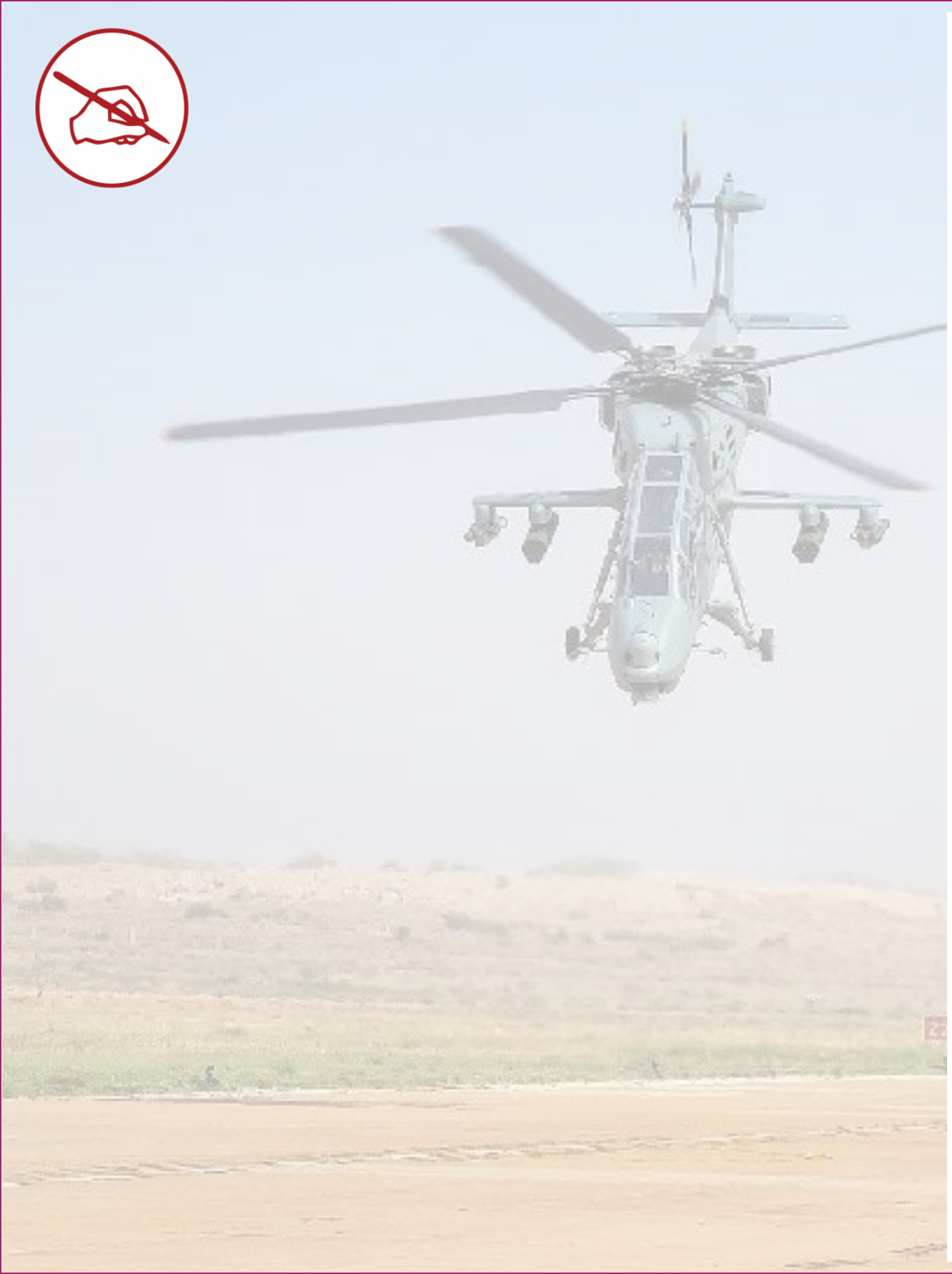

दैनिक भास्कर
भारत के पास प्रचंड समेत
4 अटैक हेलिकॉप्टर्स
LCH प्रचंड
अपाचे AH-64E
Mi-25/ Mi-35
HAL रुद्र

THANK YOU!

LIKE SHARE SUBCRIBED